# छात्राभिवर्धन–कार्यक्रम

दिनांक : 11–10–2025, अपरान्ह 01:00 बजे,

## विषय : किमर्थं संस्कृतम् ?

**श्री अजीत कुमार सिंह**
मंत्री / प्रबन्धक
डीएवी पीजी कॉलेज, वाराणसी

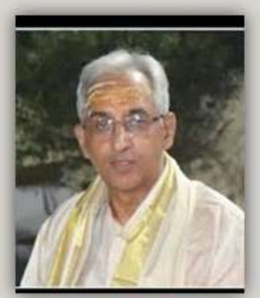

**मुख्य वक्ता**
प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी
विभागाध्यक्ष, संस्कृत
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

**प्रो. मिश्री लाल**
प्राचार्य
डीएवी पीजी कॉलेज, वाराणसी

–: आयोजक :–

## संस्कृत विभाग

(आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में)

स्थान : कॉन्फ्रेंस हॉल, पुरानी बिल्डिंग

डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज (सम्बद्ध काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)

# छात्राभिवर्धन कार्यकम

(2025-26)

संस्कृत विभाग एवं आई. क्यू. ए. सी. के तत्वावधान में दिनांक -11.10.25 को नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए छात्राभिवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साहित्य शास्त्र के मर्मज्ञ संस्कृत विभागाध्यक्ष ने **विषय : किमर्थं संस्कृतम्** ? विषय पर व्याख्यान दिया ,संस्कृत विषय कि आवश्यकता बताते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत से श्रेष्ठ कोई विद्या इस धरा पर नहीं है, इसमें समस्त विद्याओ का सार है, उससे निकले सूत्र से ही सारी विधाओं का उत्कर्ष माना गया है एवं महामना के विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि आंतरिक बल उपासना से , शरीरिक बल व्यायाम से और बुद्धि का बल ज्ञान से ही प्राप्त किया जा सकता है,व्यक्ति का निर्माण ही राष्ट्र का निर्माण है और राष्ट्र निर्माण में योग्य व्यक्ति की सहभागिता हो यही शिक्षा का एक मात्र उद्देश्य है। कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुए महविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 मिश्री लाल ने कहा कि आज जिस तरह से समाज में मानसिक अस्थिरता का दुष्प्रभाव दिखलाई पड़ रहा है उसमें संस्कृत का अध्ययन अत्यंत लाभकारी हो जाता है, संस्कृत के विद्यार्थी आरम्भिक अवस्था से ही वेद, पुराण, भगवद्गीता,और जीवन मूल्य परक शास्त्रों का अध्ययन करने लगते हैं जिससे मानसिक स्थिरता आती हैं ना कि अस्थिरता । महाविद्यालय के प्रबंधक श्री अजीत कुमार सिंह जी ने प्रो० सदाशिव कुमार द्विवेदी को संस्कृत के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशिष्ट विद्वत सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डा० दीपक कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण प्रों० पूनम सिंह ,धन्यवाद ज्ञापन डा० अमित कुमार मिश्र ने किया, इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रो० वी .एन. दुबे ,प्रो० प्रशांत कश्यप ,डा0 संजय सिंह उपस्थित रहे ,विभागीय प्राध्यापक डा० त्रिपुर सुन्दरी एवं डा० रंगनाथ के सहयोग से कार्यक्रम ने संपूर्णता को प्राप्त किया ।

(प्रो० मिश्री लाल )

विभागाध्यक्ष

vivo V27
Oct 11, 2025, 14:01